

गाँव का मेरु दण्ड—

किसान

[जनपदीय कथन में उसके जीवन की कहानी]

डा० धीरेन्द्र वर्मा पुस्तक-संग्रह

भूमिका लेखक—

डा० श्री वासुदेवशरण अग्रवाल

हरगोविन्द गुप्त